decision has been taken? Is there any specific reason for not constituting more Kendriya Vidyalayas?

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी : सभापति महोदय, अभी तो 11वें प्लान पर डिस्कशन हो रहा है, बातचीत हो रही है और हम लोगों ने रिक्वैस्ट किया है, लेकिन जब तक annual plan में specific number हमारे पास नहीं आएगा, उससे पहले कहना बहुत मुश्किल है।

गरीबी रेखा से नीचे रहने वाला अल्पंसख्यक समुदाय

*363. **श्री अबू आसिम आजमी** : † †
श्री मोतिउर रहमान :

क्या अल्पसंख्यक कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले अल्पसंख्क समुदाय की राज्यवार कुल जनंसख्या कितनी है;

(ख) देश में निम्न मध्य वर्ग से नीचे रहने वाले अल्पसंख्यक समुदाय की राज्यवार कुल जनसंख्या कितनी है , और

(ग) आगामी ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजन के दौरान उनकी रोजमर्रा की जिन्दगी को बेहतर बनाने और उनकी प्रगति के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे है?

अल्पसख्यंक कार्य मंत्री (श्री ए.आर.अंतुले) : (क) से (ग) एक विवरण सभा पटल पर रखा जाता है ।

विवरण

(क) देश के केवल प्रमुख राज्यों में शहरी व ग्रामीण गरीबी-रेखा से नीचे रहने वाले अल्पंसख्यक समुदाय को दर्शाने वाला एक विवरण संलगन है । (नीचे देखिए)

गरीबी-रेखा के नीचे रहने वाले व्यक्तियों की अनुरूप संख्या (लेकिन प्रतिशतता नहीं) उपलब्ध नहीं है ।

(ख) निम्न मध्य वर्ग से नीचे रहने वाली जनसंख्या का अभी तक वर्गीकरण नहीं किया गया है ।

(ग) सरकार, अल्पसंख्यकों का कल्याण सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं । अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए प्रधान मंत्री का नया 15-सूत्री कार्यक्रम इस दिशा में एक प्रमुख कदम है । इसके अलावा, योजना आयोग द्वारा "अल्पसंख्यकों के सशक्तीकरण" पर गठित कार्य समूह की रिपोर्ट में अल्पसंख्यकों के शैक्षिक, सामाजिक तथा आर्थिक विकास के लिए अनेक प्रस्ताव समाहित है।

† † सभा मे यह प्रश्न श्री अबू आसिम आजमी द्वारा पूछा गया ।

विवरण

गरीबी-रेखा से नीचे रहने वाली अल्पसंख्यक जनसंख्या की प्रतिशतता – 1999-2000

अल्पसंख्यक

		ग्रामीण	शहरी
1.	आंध्र प्रदेश	6.16	34.38
2.	असम	51.27	9.52
3.	बिहार	46.24	42.22
4.	गुजरात	4.27	18.29
5.	हरियाणा	11.21	19.32
6.	कर्नाटक	11.03	34.58
7.	केरल	8.44	22.13
8.	मध्य प्रदेश	23.01	39.63
9.	महाराष्ट्र	29.21	40.77
10.	उड़ीसा	49.95	58.15
11.	पंजाब	5.28	6.21
12.	राजस्थान	14.54	22.98
13.	तमिलनाडु	14.14	24.45
14.	उत्तर प्रदेश	29.94	40.08
15.	पश्चिम बगांल	38.17	20.30
	अखिल भारतीय	23.98	30.41

नोट : 1. यह अनुमान, अनुपात एंव गरीबों की संख्या (लकड़वाला समीति) पर विशेषज्ञ समूह की रिपोर्ट में समाहित गरीबी अनुमानों की प्रणाली पर आधारित एन.एस. एस. – 55 वें राउंड (1999-2000) के उपभोक्ता व्यय आंकडों से लिए गए हैं।

2. गैर हिन्दू जनसंख्या की गरीबी के अनुपात के अनुमान के लिए पूरी जनसंख्या की गरीबी रेखा का उपयोग किया गया है ।

3. गरीबी का अनुमान केवल प्रमुख राज्यों के लिए ही किया गया है । अन्य राज्यों के लिए नमूना आकार इतना नहीं हैं कि गरीबी का अनुमान लगाया जा सके ।

Minority Community Living Below Poverty Line

*363. SHRI ABU ASIM AZML:††
SHRI MOTIUR RAHMAN:

Will the Minister of MINORITY AFFAIRS be pleased to state:

(a) the total number of minority community population living below poverty line in the country, State-wise:

(b) the total number of minority population living below lower middle class population in the country, State-wise: and

(c) the steps being taken by Government for their upliftment and progress in the day to day life during the Eleventh Five Year Plan period?

THE MINISTER OF MINORITY AFFAIRS (SHRI A.R. ANTULAY): (a) to (c) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) A statement showing the percentages of urban and rural minority community population Iviing below poverty line in the country for major States only, is annexed.

The corresponding number of persons (but not percentage) living below poverty line is not available.

(b) There is no classification done so far of population living below lower middle class.

(c) Government is committed to ensuring the welfare of the minorities. The Prime Minister's New 15 Point Programme for the Welfare of Minorities is a major step in this direction. Further, the report of the Working Group on 'Empowering the Minorities' for the Xlth Plan set up by the Planning Commission contains a number of proposals for educational, social and economic development of minorities.

---

†† The question was actually asked on the floor of the House by Shri Abu Asim Azmi.

Statement

Percentage of Population living below the poverty line for Minorities - 1999-2000

		Minorities	
		Rural	Urban
1.	Andhra Pradesh	6.16	34.38
2.	Assam	51.27	9.52
3.	Bihar	46.24	42.22
4.	Gujarat	4.27	18.29
5.	Haryana	11.21	19.32
6.	Karnataka	11.03	34.58
7.	Kerala	8.44	22.13
8.	Madhya Pradesh	23.01	39.63
9.	Maharashtra	29.21	40.77
10.	Orissa	49.95	58.15
11.	Punjab	5.28	6.21
12	Rajasthan	14.54	22.98
13.	Tamil Nadu	14.14	24.45
14.	Uttar Pradesh	29.94	40.08
15.	West Bengal	38.17	20.30
	All India	23.98	30.41

Note: 1. These are estimated from the NSS Consumer Expenditure data of the 55th round (1999-2000) based on the methodology of poverty estimates contained in the Report of the Expert Group on Estimation of Proportion and Number of Poor (Lakadwala Committee).

2. Poverty Line for all populatin has been used to estimate the Poverty Ratio of the non-Hindu Population.

3, Poverty has been estimated for the major states only. For other states the sample size is not large enough to estimate the poverty.

श्री अबू आसिम आजमी : सभापति जी, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी को एक शेर पेश करना चाहता हूं:-

"जिन्होंने जान देकर मयकदे की आबरू रख ली,

वही अब कतरे-कतरे के लिए तरसाएं जाते हैं।

जिन्हें हम हार समझे थे गला अपना सजाने को,

वहीं अब सांप बन बैठे हमीं को काट खाने को।"

सभापति जी, 60 साल से इस मुल्क में मुसलमान, सबसे बड़ी अक्किलयत के हाल क्या है, यह इस रिपोर्ट से सामने आया है। यह पहली बार नहीं है, बल्कि गोपाल सिंह कमीशन की रिपोर्ट, गुजराल कमीशन की रिपोर्ट और अब एक और रिपोर्ट आई है – सच्चर कमेटी की रिपोर्ट। सच्चर कमेटी की रिपोर्ट और आज तक जितनी कमेटियों की रिपोर्ट आई हैं, मैं यह दावे के साथ कह सकता हूं कि मुसलमानों के जो यह हालात हुए है, ये कांग्रेस के जमाने में हुए हैं, कांग्रेस की 60 साल की हुकूमत में हुए हैं ...(**व्यवधान**)... मैं कहना चाहता हूं कि आज सच्चर कमेटी की रिपोर्ट लाकर क्या ये उन लोगों को बताना चाहते हैं ...(**व्यवधान**)...

شری ابو عاصم اعظی : سبھاپتی جی، میں آپ کے مادھیم سے مانئے منتری جی کو ایک شعر پیش کرنا چاہتا ہوں۔

جنہوں نے جان دے کے مےکدہ کی آبرو رکھ لی
وہی اب قطرے قطرے کے لئے ترسائے جاتے ہیں
جنہیں ہم ہار سمجھے تھے گلا اپنا سجانے کو
وہی اب سانپ بن بیٹھے ہمیں کو کاٹ کھانے کو

سبھاپتی جی، 60 سالوں سے اس ملک میں مسلمان، سب سے بڑی اقلیت کے حال کیا ہیں؟ یہ اس رپورٹ سے سامنے آیا ہے۔ یہ پہلی بار نہیں ہے، بلکہ گوپال سنگھ کمیشن کی رپورٹ، گجرال کمیشن کی رپورٹ اور اب ایک اور رپورٹ آئی ہے، سچر کمیٹی کی رپورٹ۔ سچر کمیٹی کی رپورٹ اور آج تک جتنی کمیٹیوں کی رپورٹ آئی ہے، میں یہ دعوے کے ساتھ کہہ سکتا ہوں کہ مسلمانوں کے جو یہ حالات ہوئے ہیں، یہ کانگریس کے زمانے میں ہوئے ہیں۔ کانگریس کی 60 سال کی

†[ ]Transliteration of Urdu Script.

حکومت میں ہوئے ہیں۔ ...مداخلت... میں کہنا چاہتا ہوں کہ آج سچر کمیٹی کو رپورٹ لاکر کیا یہ ان لوگوں کو بتانا چاہتے ہیں...مداخلت...

श्री सभापति : क्वेश्चन करिए, क्वेश्चन करिए ...(**व्यवधान**)...

श्री अबू आसिम आजमी : सर, मैं पूछ रहा हूं ...(**व्यवधान**)... जो मुसलमानों को इस मुल्क में तबाह और बरबाद करना चाहते हैं, क्या ये उनको सर्टिफिकेट देना चाहते हैं, कि तुम सिर्फ जबानी कह रहे हो, हमने तो सनद पेश कर दिया सच्चर कमेटी की रिपोर्ट से कि मुसलमानों के हालात क्या है ...(**व्यवधान**)...

شری ابو عاصم اعظی : سر، میں پوچھ رہا ہوں...مداخلت...جو مسلمانوں کو اس ملک میں تباہ اور برباد کرنا چاہتے ہیں، کیا یہ ان کو سرٹیفکیٹ دینا چاہتے ہیں کہ تم صرف زبانی کہہ رہے ہو، ہم نے تو سند پیش کر دیا سچر کمیٹی کی رپورٹ سے کہ مسلمانوں کے حالات کیا ہیں...مداخلت...

श्री सभापति : क्वेश्चन करिए, क्वेश्चन करिए ...(**व्यवधान**)...

श्री अबू आसिम आजमी : मैं इनसे यह पूछना चाहता हूं कि क्या सरकार ने बैंक के जरिए मुसलमानों को कर्ज देने के बारे में कोई directive दिए है, अगरचें हां, तो इसकी details क्या है ? क्या सरकार ने इसके मुताल्लिक कोई प्लानिंग तैयार की है , जिससे मुसलमानों के हालात दलितों से भी बदतर क्यो हो गए हैं, उसकी वजूहात क्या है, जरा इस पर रोशनी डाल दीजिए।

شری ابو عاصم اعظی : میں ان سے یہ پوچھنا چاہتا ہوں۔کہ کیا سرکار نے بینک کے ذریعے مسلمانوں کو قرض دینے کے بارے میں کوئی directive دئے ہیں، اگرچہ ہاں، تو اس کی ڈٹیلس کیا ہے؟ کیا سرکار نے اس کے متعلق کوئی پلاننگ تیار کی ہے، جس سے مسلمان اپنا کاروبار بڑھا سکیں؟ منتری جی بہت ہی قابل آدمی ہیں، میں ان سے پوچھونگا کہ مسلمانوں کے حالات دلتوں سے بھی بدتر کیوں ہو گئے ہیں، اس کی وجوہات کیا ہیں، ذرا اس پر روشنی ڈال دیجئے۔

श्री ए.आर. अन्तुले : सभापति जी, हमारे भाई ने शेर भी कह दिया और शेरों-शायरी के माहौल में थोड़ी सियासत भी कर डाली।

श्री अबू आसिम आजमी : सियासत करने तो यहां आए हैं , यहां सियासत के लिए हम लोग आए हैं ...(**व्यवधान**)...

[ ]Transliteration of Urdu Script.

شری ابو عاصم اعظی : سیاست کرنے تو یہاں آئے ہیں، یہاں سیاست کے لئے ہم لوگ آئے ہیں...مداخلت...

श्री ए.आर. अन्तुले : मैं चेयर से मुखातिब हूं ।

श्री अबू आसिम आजमी : मैं भी चेयर से कह रहा हूं।

شری ابو عاصم اعظی : میں بھی چیر سے کہہ رہا ہوں۔

श्री ए.आर. अन्तुले : सभापति जी, हालत खराब क्यों हुई, मैं समझता हूं, कि इसके लिए अबू आसिम आजमी साहब जो फरमा रहे हैं, वे खुद भी जानते हैं ...(**व्यवधान**)...

श्री अबू आसिम आजमी : मैं नहीं जानता सर, मैं जानना चाहता हूं, अगर मैं जानता तो आपसे सवाल क्यों करता ...(**व्यवधान**)...

شری ابو عاصم اعظی : میں نہیں جانتا سر، میں جاننا چاہتا ہوں، اگر میں جانتا تو آپ سے سوال کیوں کرتا...مداخلت...

श्री ए.आर. अन्तुले : 60 बरस हो गए, अगर 10 साल के बाद होता , तो कहते कि 10 साल हो गए, 5 साल के बाद होता, तो कहते कि 5 साल हो गए ...(**व्यवधान**)...

श्री अबू आसिम आजमी : 60 साल हो गए हैं। ...(**व्यवधान**)...

شری ابو عاصم اعظی : 60 سال ہو گئے ہیں...مداخلت...

श्री सभापति : बोलने दीजिए ना ...(**व्यवधान**)... बोलने दीजिए, आपकी तरह इनकी आवाज तेज नहीं है।

श्री ए.आर. अन्तुले : सभापति जी, 60 साल के बाद क्यों हुआ, बजाय इसके कि इसका इस्तकबाल किया जाए, मुझे अफसोस हो रहा है, हैरत हो रही है । ताज्जुब हो रहा है कि हमारे भाई इस तरह से बात कर रहे हैं, जैसे कि इस वक्त भी नहीं होना चाहिए था ...(**व्यवधान**)...

श्री शाहिद सिद्दिकी : मेहरबानी कर रहे हैं । क्या ...(**व्यवधान**)...

شری شاہد صدیقی : مہربانی کر رہے ہیں کیا...مداخلت...

SHRI A. R. ANTULAY: I am not yielding *(Interruptions)*....

श्री सभापति : इन्हें बोलने दीजिए ...(**व्यवधान**)...

[ ]Transliteration of Urdu Script.

SHRIA. R.ANTULAY: I am not yielding .... *(Interruptions)*.... Please do not interrupt .....*(Interruptions)*...

सभापति जी , प्रधानमंत्री जी का यह जो नया 15 प्वांइट प्रोग्राम आया है, इसके अंदर बैंकों के लोन के बारे में भी व्यवस्था है । मुझे यकीन है कि हमारे भाई जो हैं, जिन्होंने यह सवाल पूछा है, उन्होंने जरूर इसका मुतालआ किया होगा और उसके सिलसिलें में भी अभी होने वाला है, अब तक क्यों नहीं हुआ यह कहने के बजाए पास्ट मत देखो, आगे क्या होने वाला है, यह देखें । यह आप जो कह रहे हैं कि 60 वर्ष से नहीं हुआ यह बिल्कुल गलत नहीं है और बिल्कुल सही भी नहीं है । इसलिए 60 साल से जरूर कुछ न कुछ हुआ है और यह कहना कि कांग्रेस इसके लिए जिम्मेदार है , यह गलत बात है । इसलिए पार्टीबाजी से यह बात नहीं करनी चाहिए । जब हुकूमत होती है, जब हुकूमत यहां बैठती है तो हुकूमत सब के लिए होती है । जब चुनकर एम.एल. ए. आता है, एम.पी. आता है तो वो सारे चुनाव क्षेत्र पर सब का होता है, सिर्फ किसी एक पार्टी का नहीं होता और मैं समझता हूं कि ...(**व्यवधान**)...

श्री शाहिद सिद्दिकी : सर, इन्होंने ...(**व्यवधान**)...

شری شاہد صدیقی : سر، انہوں نے ...مداخلت...

श्री सभापति : उनको बोलने दीजिए कि वे क्या कर रहे हैं ...(**व्यवधान**)...

श्री ए.आर. अन्तुले : सभापति महोदय, मैं समझता हूं , मैं भी ज्यादा ऊंची आवाज कर सकता हूं, परन्तु करना नहीं चाहता हूं ।...(**व्यवधान**)...

श्री शाहिद सिद्दिकी : *

श्री अबू आसिम आजमी : *

श्री ए.आर. अन्तुले : क्वेश्चन ऑवर मालुमात देने के लिए होता है, क्रोस एग्जामिनेशन के लिए नहीं है । ...(**व्यवधान**)...

श्री अमर सिंह : *

श्री सभापति : माननीय सदस्य, बैठिए , बैठिए । ...(**व्यवधान**)... कोई रिकार्ड नहीं होगा ...(**व्यवधान**)... आप सुनिए, बैठिए । ...(**व्यवधान**)...

श्री ए.आर. अन्तुले : सभापति महोदय, मैं यह नम्रतापूर्वक निवेदन करना चाहता हूं कि जो कुछ न्यू फिफटीन पोंइट प्रोग्राम के अन्तर्गत है वह लागू होगा । सच्चर कमेटी के सिलसिले में मैं यह कहना चाहता हूं कि उसकी रिकमेण्डेशंस जिनत और ओरइश डेकोरेशन के लिए नहीं है, न वो आंखों के लिए फैकने हैं, वे भी सब लागू किए जाने के लिये हैं। ...(**व्यवधान**)...

[ ]Transliteration of Urdu Script.
*Not recorded.

सभापति महोदय, यह इर्रिलिवेंट सप्लीमेंट्री है, टोटली इर्रिलिवेंट सप्लीमेंट्री है। सच्चर कमेटी के सिलसिले में यह डिस्कसन नहीं है और इसलिए इस सवाल के ...(**व्यवधान**)... सभापति महोदय, हम उसका मुताला करके अमल में आने की कोशिश कर रहे हैं, और हमारे भाई लोग कोशिश कर रहे हैं कि वह लागू न हो । ...(**व्यवधान**)... सभापति महोदय, अभी चूंकि इन्होंने बात शुरू की है, मैं कहना चाहता हूं कि सच्चर कमेटी ऑथोरिटी थी, कमीशन नहीं था। उसकी डिस्कसन हो या न हो उसकी रिकमेंण्डेशन को अमल में लाया जाएगा, मैं यह जिम्मेदारी के साथ इस हाउस में कहना चाहता हूं ।

श्री अबू आसिम आजमी : सर, मेरा एक दूसरा supplementary भी है । "वादा तेरा वादा, वादे पे तेरे मारा गया, बंदा मैं सीधा-साधा" । गोपाल कमीशन कमेटी की रिपोर्ट आज तक लागू नहीं हुई । सर, मेरा इनसे एक दूसरा सवाल यह है कि मैं मंत्री जी से बड़े अदब के साथ पूछना चाहता हूं कि आज सच्चर कमेटी की जो रिपोर्ट आई है, उसने कह दिया है, कि मुसलमानों की हालत SC और ST से भी बदतर है। सर, उनकी SC और ST से भी बदतर हालत है । जब मुल्क आजाद हुआ था, तो रिजर्वेशन की स्कीम भी आई थी। कमजोर आदमी को ...(**व्यवधान**)...

شری ابو عاصم اعظی : سر۔ میرا دوسرا سپلیمنٹری بھی ہے۔ "وعدہ تیرا وعدہ، وعدے پر تیرے مارا گیا، بندا میں سیدھا سادھا" گوپال کمیشن کمیٹی کی رپورٹ آج تک لاگو نہیں ہوئی۔ سر، میرا ان سے ایک دوسرا سوال یہ ہے، میں منتری جی سے بڑے ادب کے ساتھ پوچھنا چاہتا ہوں کہ آج سچر کمیٹی کی جو رپورٹ آئی ہے۔ اس نے کہہ دیا ہے کہ مسلمانوں کی حالت ایس۔ سی۔ اور ایس۔ ٹی۔ سے بھی بدتر ہے۔ سر، ان کی ایس۔ سی اور ایس۔ ٹی سے بھی بدتر حالت ہے۔ جب ملک آزاد ہوا تھا، تو رزرویشن کی اسکیم آئی تھی۔ کمزور آدمی کو...مداخلت...

श्री सभापति : आप क्वैश्चन करिए, क्वैश्चन ...(**व्यवधान**)... माननीय सदस्य, आप क्वैश्चन करिए ...(**व्यवधान**)... क्वैश्चन करिए ।

श्री अबू आसिम आजमी : मैं पूछ रहा हूं, सर । जब रिजर्वेशन की स्कीम आई थी, तो एक कमजोर आदमी को एक मजबूत आदमी के मुकाबले में इतनी ताकत दी गई थी कि वह मैदान में मजबूती के साथ दौड सके । आज 60 सालों के बाद भी उनकी ST और ST से खराब हालत है । मैं उनसे यह पूछना चाहता हूं कि क्या आप मुसलमानों को वह ताकत देने की, रिजर्वेशन देने की स्कीम बना रहे हैं कि वह मजबूत आदमी के साथ दौड सके, आज इस मुल्क में उसकी जो हालत खराब है, SC-ST से बदतर है, उसको काम मिल सके? सरकारी नौकरियों में इनकी आबादी के

[ ]Transliteration of Urdu Script.

मुताबिक इन लोगों को दिया जाए, इसके लिए क्या सरकार ने कोई कदम उठाया है या नहीं? मैं जरा मंत्री जी से डिटेल में जानना चाहता हूं। ...(**व्यवधान**)...

شری ابو عاصم اعظی : میں پوچھ رہا ہوں سر، جب رزرویشن کی اسکیم آئی تھی، تو ایک کمزور آدمی کو ایک مضبوط آدمی کے مقابلے میں اتنی طاقت دی گئی تھی کہ وہ میدان میں مضبوطی کے ساتھ دوڑ سکے۔ آج 60 سالوں کے بعد بھی ان کی ایس۔ سی اور ایس۔ ٹی سے بھی خراب حالت ہے، تو میں ان سے یہ پوچھنا چاہتا ہوں کہ کیا آپ مسلمانوں کو وہ طاقت دینے کی، رزرویشن دینے کی اسکیم بنا رہے ہیں کہ وہ مضبوط آدمی کے ساتھ دوڑ سکے، آج اس ملک میں اس کی جو حالت خراب ہے، ایس۔ سی۔ اور ایس۔ ٹی۔ سے بدتر ہے، اس کو کام مل سکے؟ سرکاری نوکریوں میں ان کی آبادی کے مطابق ان لوگوں کو لیا جائے، اس کے لئے کیا سرکار نے کوئی قدم اٹھایا ہے کہ نہیں؟ میں ذرا منتری جی سے ڈٹیل میں جاننا چاہتا ہوں...مداخلت...

श्री सभापति : बैठिए, बैठिए ...(**व्यवधान**)...

श्री ए.आर. अन्तुले : सभापति महोदय ...(**व्यवधान**)... सभापति महोदय, हमारा मकसद क्या है? ...(**व्यवधान**)... हमारा मकसद ...(**व्यवधान**)... महोदय, ...(**व्यवधान**)...

श्री कमाल अख्तर : सर, ...(**व्यवधान**)...

श्री शाहिद सिद्दिकी : सर, ...(**व्यवधान**)... सच्चाई छुप नहीं सकती, बनावट के उसूलों से, खुशबू आ नहीं सकती, कागज के फूलों से ...(**व्यवधान**)...

شری شاہد صدیقی : سر، ...مداخلت... سچائی چھپ نہیں سکتی، بناوٹ کے اصولوں سے...مداخلت...خوشبو آنہیں سکتی، کاغذ کے پھولوں سے...مداخلت...

श्री सभापति : आप बैठिए ...(**व्यवधान**)... आप बैठिए ...(**व्यवधान**)... बैठिए, बैठिए सदस्य ...(**व्यवधान**)...

श्री ए.आर. अन्तुले : सभापति महोदय, ये नहीं चाहते कि मैं जवाब दूं ...(**व्यवधान**)... ये नहीं चाहते कि मैं जवाब दूं ...(**व्यवधान**)...

[ ]Transliteration of Urdu Script.

श्री सभापति : बैठिए. बैठिए ...(**व्यवधान**)...

श्री ए.आर. अन्तुले : सर, ये जानते हैं कि हमारा जवाब इनको लाजवाब कर देगा, इसलिए ये नहीं चाहते कि मैं जवाब दूं। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : आप बोलिए, बोलिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री ए.आर. अन्तुले : सभापति महोदय, अभी हमारे इन भाई ने जो पूछा, मैंने उस सिलसिले में पहले ही कह दिया। उसके बाद भी ये उन्हीं बातों को बार-बार दोहराना चाहते हूं ...(**व्यवधान**)...

श्री अबू आसिम आजमी : **सर**, ...(**व्यवधान**)... सर, ...(**व्यवधान**)...

[**شری ابو عاصم اعظی** : سر، ...مداخلت...سر، ...مداخلت...]

श्री सभापति : नहीं, आप बीच में मत टोकिए, गलत बात है ...(**व्यवधान**)... सारा क्वैश्चन ऑवर आपके लिए नहीं है ...(**व्यवधान**)... अब मैं आपको अलाऊ नहीं करूंगा ...(**व्यवधान**)...

श्री ए.आर. अन्तुले : ये बार-बार दोहराना चाहते हैं ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : यह गलत बात है, बीच-बीच में टोकना। ...(**व्यवधान**)...

श्री ए.आर. अन्तुले : मैं इस सदन के अन्दर एक मंत्री की हैसियत से कह रहा हूं। शायद हमारे कुछ दोस्तों को मालूम है कि जो मैंने इस सदन में या महाराष्ट्र के विधान सभा में जो सदन है, वहां मैंने जो भी बात कही या वादा किया, यह वादा करने से पहले मैंने इस बात पर काफी सोचा है कि वादा करके अमल में लाने के सिलसिले मे पूरी तरह ईमानदारी से हम कोशिश करेंगे। हम अमल में लाएंगे, यह मैं फिर से दोहराना चाहता हूं।

रहा सवाल 60 साल तक क्यों नहीं हुआ, उसका जवाब मैं दे चुका हूं , लेकिन 10 साल बाद भी होता, तो भी ...(**व्यवधान**)... ये चाहते हैं कि हो नहीं जाए ...(**व्यवधान**)...

श्री अबू आसिम आजमी : सर, मेरे सवाल का जवाब नहीं आया। ...(**व्यवधान**)...

[**شری ابو عاصم اعظی** : سر، میرے سوال کا جواب نہیں آیا...مداخلت...]

श्री सभापति : आप बैठिए ...(**व्यवधान**)... कोई रिकॉर्ड नहीं होगा ...(**व्यवधान**)... Please take your seat. ...*(Interruptions)*... I would not allow ...*(Interruptions)*... मैं आपको अलाऊ नहीं कर रहा हूं, आप बैठ जाइए ...(**व्यवधान**)... कोई रिकार्ड नहीं हो रहा है।

[ ]Transliteration of Urdu Script.

...(**व्यवधान**)... मैं आपको अलाउ नहीं कर रहा हूं ...(**व्यवधान**)... नाइंसाफी आप कर रहे हैं ...(**व्यवधान**)... आप पूरे सदन के साथ नाइंसाफी कर रहे हैं ...(**व्यवधान**)... बैठिए, एक मिनट बैठिए ...(**व्यवधान**)... नाइंसाफी की जो बात है, वह आप पूरे सदन के साथ कर रहे है ...(**व्यवधान**)... माननीय सदस्यों का जो क्वैश्चन है, वह उनको पूछने नहीं देते । यह गलत बात है । मैं अलाउ नहीं करूंगा । ...(**व्यवधान**)... जवाब नहीं आया, तो यह उनकी मरजी की बात है ...(**व्यवधान**)... इसके दूसरे तरीके भी हैं ...(**व्यवधान**)... श्री अली अनवर ।

श्री अली अनवर : सर, मैं माननीय मंत्री जी से पहली बात तो यह पूछना चाहता हूं कि उन्होंने माइनॉरिटीज के एम.पीज. के साथ सच्चर कमेटी के बारे में विचार करने के लिए एक बैठक बुलाई थी । उसमें इन्होंने कहा था कि सच्चर कमेटी की रिपोर्ट **पर दोनों** सदनों में हम विचार करेंगे इसी सत्र में विचार करेंगे । अब यह सत्र समाप्ति पर है, लेकिन इस पर विचार नहीं हुआ ।

दूसरी बात मैं कहना चाहता हूं...(व्यवधान)... एक मिनट, आप दूसरे की बात भी सुनिए ...(**व्यवधान**)... कई सदस्यों ने यह सवाल उठाया है कि सच्चर कमेटी ने सारे मुसलमानों की हालत दलितों से भी खराब कही है । ऐसी बात सच्चर कमेटी की रिपोर्ट में नही है । सच्चर कमेटी ने मुसलमानों को 3 वर्गो में बांटा है । मैं मंत्री महोदय से ...(**व्यवधान**)...

दूसरी बात मैं कहना चाहता हूं ..(व्यवधान)... एक मिनट, आप दूसरे की बात भी सुनिए ..(व्यवधान)... कई सदस्यों ने यह सवाल उठाया है कि सच्चर कमेटी की रिपोर्ट में नहीं है। सच्चर कमेटी ने मुसलमानों को 3 वर्गो में बांटा है । में मंत्री महोदय से ..(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : आप सच्चर कमेटी को छोडिए । ...(**व्यवधान**)... आप इनसे पूछिए ...(**व्यवधान**)...

श्री अली अनवर : सर, हम इन्हीं से पूछना चाहते हैं । कमेटी ने मुसलमानों को तीन वर्गो में बांटा है – अशरफ, अजलाफ और अरजाल । इनमें जो अरजाल है, जिन्हें * कहा जाता है, वे लोग दलित मुसलमान है।

उनको कहा है कि उनकी स्थिति शैडयूल्ड कास्ट से खराब है । मैं मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि मुसलमानों में और इसाइयों में भी जो दलित है, जो छूआछूत और भेदभाव के शिकार है, क्या वे उनको शैडयूल्ड कास्ट का स्टेटस देंगे, सच्चर कमेटी की रिपोर्ट के संदर्भ में वे घोषणा करेंगे ?

डा0 प्रभा ठाकुर : सर, इन्होंने * शब्द कहा गया है, उसे रिकार्ड से निकाला जाना चाहिए । ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : **क्या**?

श्री अली अनवर : मैंने उस शब्द का अर्थ बताया कि डिक्शनरी में, शब्दकोष में उस शब्द का अर्थ यह है ।

श्री ए.आर. अन्तुले : सभापति महोदय, मैंने सारे माइनॉरिटीज के MPs की बिना तफरीक के पार्टी मीटिंग बुलाई थी । यह गलत बात है कि मैंने सच्चर कमेटी की रिपोर्ट के सिलसिलें में वह

*Explunged as ordered by the Chair.

मीटिंग बुलाई थी, आज भी कोई देख सकता है और जो हाजिर थे, उनमें से हमारी नजमा आपा और दूसरे भी लोग जो वहां थे, उन्होंने देखा और सुना था। माइनॉरिटी डिपॉर्टमेंट के तस्कील में आने के बाद पिछले 9 महीने के अदंर, क्योंकि कोई स्टेंडिंग कमिटी नहीं है और इसके लिए कोई कंसलटेटिव कमिटी भी नहीं है , इसलिए मैंने अपनी तरफ से, अपने तरीके से सबको मैंने मदऊ किया, मैंने उनको बुलाया, दावत दी और तकरीबन 50 से एक-दो कम मैम्बर्स आए, मैंने उनका शुक्रिया अदा किया । उस वक्त मैने सच्चर कमिटी की रिपोर्ट पर इस सदन के अदंर इस सत्र में चर्चा होगी , यह नहीं कहा । हमारे मैम्बर साहब जो कह रहे हैं या तो वे हाजिर नहीं थे और वे हाजिर थे तो फिर उनकी मेमरी, उनकी याददाशत उनको धोखा दे रही है । ...(**व्यवधान**)...

श्री अली अनवर : आप गलत कह रहे हैं। ...(**व्यवधान**)... उस मीटिंग की प्रोसिडिग्सं मगाइए । ...(**व्यवधान**)...

श्री ए.आर. अन्तुले : यह जो कहा है ...(**व्यवधान**)... जो बात हुई है मैं वह कह रहा हूं । मैं कभी असत्य नहीं बोलता हूं मैं असत्य बोलने का आदी नहीं हूं, जो असत्य बोलने के आदी हैं ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : आप बोलिए, आप गुस्सा मत करिए ।

श्री ए.आर. अन्तुले : सभापति महोदय, एस.सी. और एस.टी. से भी ज्यादा खराब हालत मुसलमानों की है, यह उनका सवाल है । यह तो सच्चर कमिटी ने कह दिया है, वह कौन सी नई बात बता रहे हैं । सच्चर कमिटी एक आइना है, उसके अंदर आप अपनी तस्वीर देखिए । मैं यह कहूंगा कि बाज हालात के अदंर, बाज जगह और बाज मौजू के अंदर ...(**व्यवधान**)...

श्री रवि शंकर प्रसाद : मंत्री जी, आप बहस कराइए न रिपोर्ट पर । ...(**व्यवधान**)...

श्री शाहिद सिद्दिकी : महोदय, यह राष्ट्रीय मुद्दा है, इस पर बहस होनी चाहिए । ...(**व्यवधान**)...

شری شاہد صدیقی: مہودے، یہ راشٹرئے مدعا ہے، اس پر بحث ہونی چاہئے...مداخلت...

SHRI A.R. ANTULAY: I am not yielding ...*(Interruptions)*... I am not yielding ...*(Interruptions)*... If you shout, I too can shout you. But I observe dignity of the House.

SHRI RAVI SHANKAR PRASAD: Can't we make our observations? ...*(Interruptions)*...

SHRI A.R. ANTULAY: Whatever the Sachar Committee report has said, the report has been distributed ...*(Interruptions)*...

[ ]Transliteration of Urdu Script.

श्री शरद यादव : अन्तुले जी, क्या आप मुझे एक मिनट के लिए yield करेंगे? अली अनवर जी ने जो सवाल पूछा है , वह यह है कि सच्चर कमिटी ने जो दलित मुसलमान है, उनकी हालत दलितों से खराब है, यह कहा है, कमिटी की रिपोर्ट मे यह नही कहा है कि सब मुसलमानों की हालत दलितों से खराब है । उन्होने कहा है कि दलित मुसलमानों के बारे में सच्चर कमिटी ने कहा है और यह सही भी है, मैने पढ़ा है । उनको रिजर्वेशन मिल सकता है या नहीं मिल सकता?

श्री अमर सिंह : दलित मुसलमानों के लिए आरक्षण उत्तर प्रदेश विधान सभा से पास करके हमने भेज दिया है ।

श्री ए.आर. अन्तुले : सभापति महोदय, आरक्षण एक रास्ता है, आरक्षण मंजिल नहीं है, हमको मंजिल तक पहुंचना है । मंजिल तक पहुंचने के लिए आरक्षण ही रास्ता नहीं है ...(**व्यवधान**)... मैं रिजर्वेशन के बारे में यहां कोई वादा नहीं करना चाहता, इसलिए कि मैं वादा करता हूं तो उसे पूरा करने की पूरी कोशिश करता हूं । लेकिन, वह एक रास्ता है, सबके साथ इंसाफ किया जाए, सारे हिन्दुस्तान के नागरिक एक सतह पर आ जाएं, यह सच्चर कमिटी का और यू.पी.ए. सरकार का मकसद है । उस मकसद को हासिल करने के लिए हमें, जो भी कोशिश करनी पडेगी, वह करेंगे।

श्री कलराज मिश्र : महोदय, मैं मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि जो 2001 की जनगणना है, उस जनगणना के आधार पर कुल आबादी की 18.42 फीसदी जनसंख्या अधिसूचित अल्पंसख्यक समुदाय की हैं और इस अधिसूचित अल्पसंख्यक समुदाय में मुसलमान, ईसाई, सिक्ख, बौद्ध और पारसी हैं । क्या आप इनका अलग-अलग ब्यौरा दे सकते हैं? यदि हां, तो कृपया देने का कष्ट करें । इसके साथ ही साथ मैं यह भी जानना चाहूंगा कि अल्पसंख्यकों के कल्याण और विकास के लिए 2005-06 में 55 करोड़ रूपये की धनराशि प्रदान की गई थी, उस आबंटित धनराशि का ब्यौरा क्या है? इसमें अकेले मौलाना आजाद शिक्षा फाउंडेशन को 30 करोड़ रूपये दिए गए थे, बाकी लोगों को कितना पैसा दिया गया है कृपया इसके बारे में जानकारी दें?

श्री ए. आर. अन्तुले : इसके लिए नोटिस दिया जाएगा, हम इन सभी चीजों की जानकारी हासिल कर लेंगे ।

श्री कलराज मिश्र : यह जो प्रश्न है, इस प्रश्न में जारी चीजें समाहित है । अगर आप इस प्रश्न को पूरा पढ़े तो इसमे सारी चीजें आ गई है, इसलिए इसमें जो भी प्रश्न है, उनके उत्तर अपेक्षित है ।

श्री ए.आर. अन्तुले : ऐसा है कि हर चीज के अन्दर हर चीज आती है, लेकिन आपने जो सवाल अलग-अलग जातियों के मुतल्लिक पूछा है, उस सिलसिलें मे जो स्टेटिस्टिकल डाटा है, वह अगर आप चाहेंगे हम आपको दे देंगे ।

श्री कलराज मिश्र : कल्याण निधि के बारे में भी आप बताएं ।

श्री ए.आर. अन्तुले : जी हां, कल्याण निधि के बारे में जो कुछ आपने पूछा है, उसके बारे में भी बताएंगे और जो मौलाना आजाद शिक्षा फांउडेशन के सिलसिले में पूछा है, उसके बारे में भी अगर आपको जानकारी चाहिए तो वह भी हम आपके सामने रख सकते हैं।

श्री सभापति : प्रश्न संख्या 364 ...(**व्यवधान**)...

सुश्री मैबल रिबैलो : सर, अभी तो हमने भी इस प्रश्न पर पूछना है ...(**व्यवधान**)... सर, आप हमें तो क्वेश्चन पूछने ही नहीं देते ...(**व्यवधान**)... हमारी तरफ तो बिल्कुल देखते ही नहीं हैं ...(**व्यवधान**)... सर, यह क्या है ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : यह देखने का सवाल नहीं है, ...(**व्यवधान**)... आप जो बोल रही है, जबरदस्ती बोल रही हैं ...(**व्यवधान**)... आप क्यों गुस्सा हो रही हैं ...(**व्यवधान**)... माइनॉरिटी के क्वेश्चन पर क्या डिबेट ...(**व्यवधान**)... क्वेश्चन के अलावा और भी कई साधन है, जिनके माध्यम से आप बात कर सकती हैं ...(**व्यवधान**)...

सुश्री मैबल रिबैलो : सर, यह सही नहीं है।

श्री सभापति : क्या आपने सैक्रिटेरिएट का बुलेटिन पढ़ा है कि एक क्वेश्चन में कितने माननीय सदस्यों को पूछने का मौका दिया जाता है? ...(**व्यवधान**)... आप पहले यह बताइए कि आपने वह बुलेटिन पढ़ा है या नहीं पढ़ा है? ...(**व्यवधान**)...

सुश्री मैबल रिबैलो : सर, सभी को मौका मिलना चाहिए।

श्री सभापति : मिलना चाहिए, लेकिन सभी पार्टियों ने मिल कर यह तय किया है?

सुश्री मैबल रिबैलों : सर, क्वेश्चन सदन में रिकॉर्ड पर आना चाहिए, सबको मौका मिलना चाहिए।

श्री सभापति : आप बैठ जाइए ...(**व्यवधान**)... सबका रिकॉर्ड नहीं होगा ...(**व्यवधान**)... सब पार्टियों ने मिल कर यह तय किया है, मैं उसी के हिसाब से चल रहा हूं ...(**व्यवधान**)... आप अपनी पार्टी के लीडर से कहिए कि इस रूल को बदल दें ...(**व्यवधान**)... क्या आप इसे अच्छा समझते हैं कि आपके मैम्बर्स इस तरह से बिहेव करें? ...(**व्यवधान**)... यह बात आप यहां पर नहीं पूछ सकती हैं ...(**व्यवधान**)... यह कुछ भी रिकॉर्ड पर नहीं जाएगा।

सुश्री मैबल रिबैलो : *

*Not recorded.